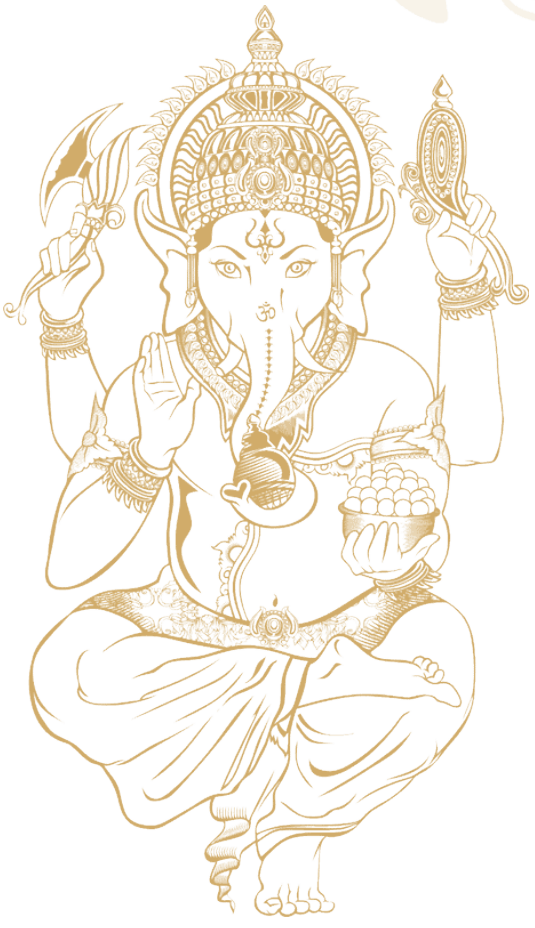

Mr Akhilesh

Ms. Akanksha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121503304

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/02/2001	जन्म तिथि	23/05/2001
बुधवार	दिन	बुधवार
घंटे 11:35:00	जन्म समय	18:55:00 घंटे
घटी 10:51:04	जन्म समय(घटी)	33:39:25 घटी
India	देश	India
Ludhiana	स्थान	Delhi
30:56:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
75:52:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:32	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:14:34	सूर्योदय	05:26:37
18:07:09	सूर्यास्त	19:09:27
23:52:06	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:17

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 9वर्ष 10मा 2दि		23:45:29	मेष	लग्न	वृश्चि	06:23:21	चन्द्र 6वर्ष 9मा 5दि	
बुध		24:39:42	मक	सूर्य	वृष	08:36:04	राहु	
11/12/2010		09:45:41	कर्क	चंद्र	वृष	14:18:43	27/02/2015	
11/12/2027		02:06:00	वृश्चि	मंगल व	धनु	04:17:03	27/02/2033	
बुध	09/05/2013	05:54:19	कुंभ व	बुध	मिथु	00:53:47	राहु	10/11/2017
केतु	06/05/2014	07:36:10	वृष	गुरु	वृष	24:35:56	गुरु	04/04/2020
शुक्र	06/03/2017	09:50:56	मीन	शुक्र	मीन	23:50:35	शनि	09/02/2023
सूर्य	10/01/2018	00:21:24	वृष	शनि	वृष	10:14:04	बुध	28/08/2025
चन्द्र	12/06/2019	21:20:30	मिथु व	राहु व	मिथु	12:46:16	केतु	16/09/2026
मंगल	08/06/2020	21:20:30	धनु व	केतु व	धनु	12:46:16	शुक्र	16/09/2029
राहु	26/12/2022	26:49:05	मक	हर्ष	कुंभ	00:57:04	सूर्य	10/08/2030
गुरु	02/04/2025	12:50:53	मक	नेप व	मक	14:51:47	चन्द्र	09/02/2032
शनि	11/12/2027	20:59:16	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	20:22:09	मंगल	27/02/2033

लग्न-चलित

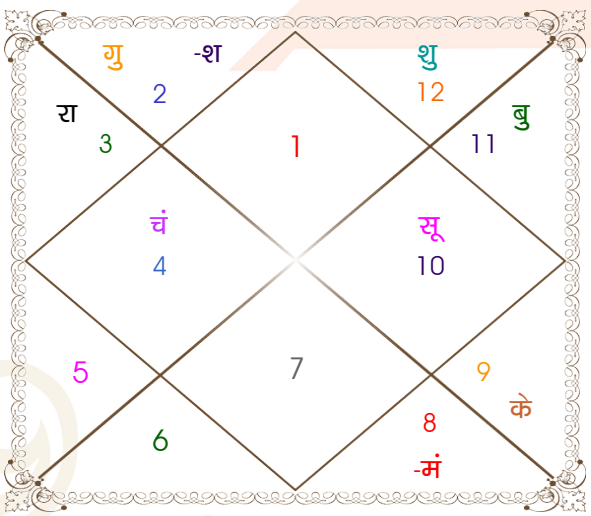

लग्न-चलित

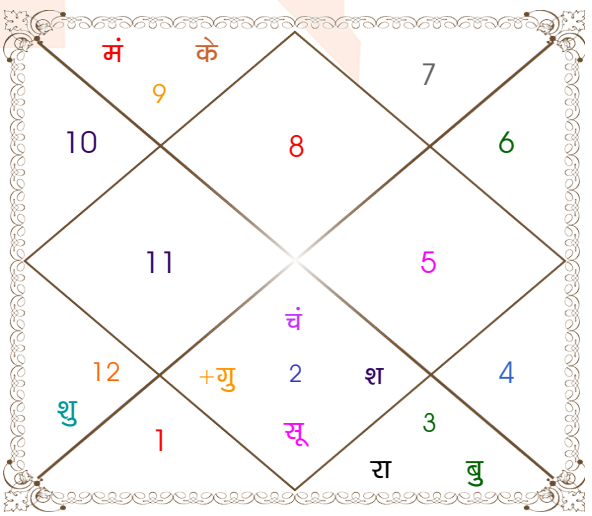

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

Mr Akhilesh का वर्ग मेष है तथा Ms. Akanksha का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr Akhilesh और Ms. Akanksha का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr Akhilesh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr Akhilesh कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. Akanksha मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह

(राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms. Akanksha कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr Akhilesh तथा Ms. Akanksha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।